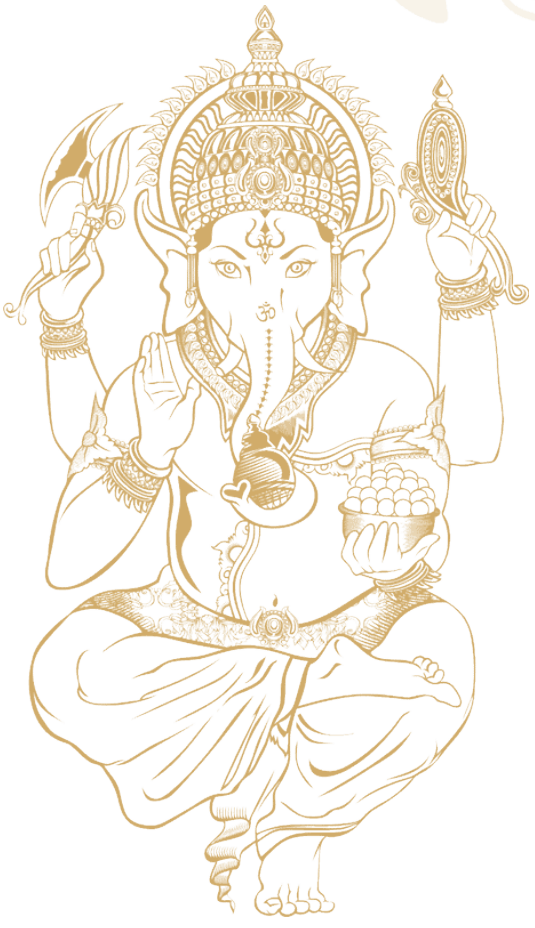

Akash Shruti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120272303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/01/1993	जन्म तिथि	10/07/1996
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 19:45:00	जन्म समय	07:25:00 घंटे
घटी 32:35:06	जन्म समय(घटी)	04:48:05 घटी
India	देश	India
Durg	स्थान	Bombay
21:12:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
81:20:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:40	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:57	सूर्योदय	06:08:02
17:35:31	सूर्यास्त	19:19:50
23:45:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:35

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 14वर्ष 4मा 15दि	18:53:04	कर्क	लग्न	कर्क	10:34:30	शुक्र 7वर्ष 5मा 17दि
मंगल	19:27:56	धनु	सूर्य	मिथु	24:17:08	मंगल
21/05/2023	17:04:58	मेष	चंद्र	मेष	21:41:23	28/12/2019
21/05/2030	25:38:09	मिथु व	मंगल	वृष	25:29:20	27/12/2026
मंगल 17/10/2023	07:43:42	धनु	बुध	मिथु	22:43:25	मंगल 25/05/2020
राहु 04/11/2024	19:55:47	कन्या	गुरु व	धनु	18:14:18	राहु 12/06/2021
गुरु 11/10/2025	05:47:34	कुंभ	शुक्र	वृष	19:05:08	गुरु 19/05/2022
शनि 20/11/2026	22:51:44	मक	शनि	मीन	13:31:31	शनि 28/06/2023
बुध 17/11/2027	27:35:39	वृश्चि	राहु व	कन्या	18:28:46	बुध 24/06/2024
केतु 14/04/2028	27:35:39	वृष	केतु व	मीन	18:28:46	केतु 20/11/2024
शुक्र 14/06/2029	24:03:32	धनु	हर्ष व	मक	09:23:44	शुक्र 20/01/2026
सूर्य 20/10/2029	24:41:22	धनु	नेप व	मक	02:47:19	सूर्य 28/05/2026
चन्द्र 21/05/2030	00:55:10	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	06:47:12	चन्द्र 27/12/2026

लग्न-चलित

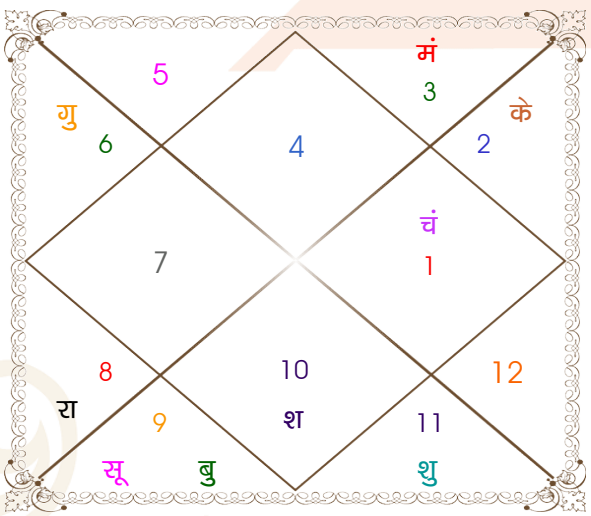

लग्न-चलित

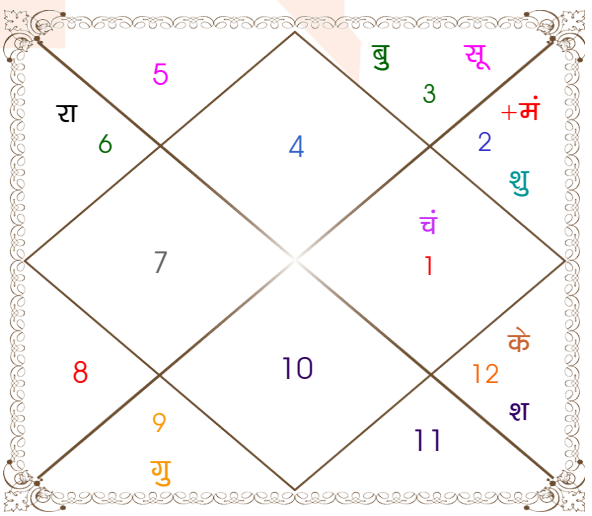

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Akash का वर्ग मृग है तथा Shruti का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Akash और Shruti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Akash मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Akash कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shruti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Shruti कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Akash तथा Shruti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com